rojgar with ankit

RPF SI * रेल रक्षक बैच

:- History :- Class-16

⇒ जैन संघ Jain Sangha में 11 गणधर थे
There were 11 Ganadha

- महावीर स्वामी की मृत्यु के समय अध्यक्ष :
  इन्द्रभूति
  Chairman at the time of death of Mahavir Swami Indrabhuti
- अगले अध्यक्ष : "सुधर्मन" Next President: "Sudharm"
- जैन भिक्षुणी संघ की अध्यक्ष : "चंदना" President of Jain Nhikuni Sangh: "Chandana" Imp.

⇒ जैन सिद्धांत Jain Doctrine :- (ज्ञान मीमांसा Gyan Mimansa Epistemology)

अनेकांतवाद (Anekantavad)	स्यायवाद (Sayavada)
प्रत्येक जीव / वस्तु के अनेक गुण होते है। Every living being / thing	अनेक गुणो को केवलिन ही जान सकते है Only kevalin can know

has many qualities

many qualities

(नास्तिक)

जो वेदो को अप्रमाणिक मानते है।

Those who Consider Vedas to be unauthentic.

⇒ "आजीवक सम्प्रदाय" "Ajivik Sect"

⇒ बौद्ध धर्म

⇒ जैन धर्म

(आस्तिक)

जो वेदो को प्रमाणिक माने।

Those who Consider Vedas as authentic.

ex.⇒ सनातन धर्म

षडदर्शन Conspiracy:-

1. गौतम: न्याय दर्शन Gautama: Philosophy of Justice
2. कपिल: सांख्य दर्शन Kapil: Samkhya Philosophy
3. कणाद: वैशेषिक Kanad: Vaisheshika
4. पतंजलि: योग Patanjali: Yoga
5. जैमिनी: पूर्व मीमांसा Gemini:

rojgar with ankit

Purva Mimamsa

6. बादरायण : उत्तर मीमांसा Vadarayana : Uttar Mimamsa

बौद्ध धर्म Buddhism

हर्ष – हर्षवर्धन Harsh - Harshavardhana

K- कनिष्क Kanishka

B- बिम्बिसार Bimbisara

A अशोक Ashoka

प्रसेनजीत, गोपाल (पाल वंश) उदयन, सम्प्रीति

P- प्रसेनजीत Prasenjit

G- गोपाल (पाल वंश) Gopal (Pala dynasty)

जैन धर्म Jainism

K- खारवेल Kharavel (कलिंग नरेश)

A- अजातशत्रु Ajatshatru

A- अमोघवर्ष Amodhavarsha (राष्ट्रकूट राजा)

C- चन्द्रगुप्त मौर्य Chandragupta Maurya

U- उदयन Udayan

S- सम्प्रीति Sampreeti

जैन धर्म से सम्बंधित तथ्य (facts)

⇒ 19 वीं शताब्दी (19th Century) में निर्मित अजमेर का सोनीजी का नसिया मंदिर "ऋषभदेव" को समर्पित है।
इसे लाल मंदिर भी कहते हैं।

⇒ जल मंदिर (जैन धर्म से संबंधित) ⇒ बिहार के पावापुरी शहर में
निर्माण (formation) महावीर स्वामी के बड़े भाई नंदिवर्धन ने करवाया

तीर्थंकर → धर्म का रक्षक एवं आध्यात्मिक शिक्षक जो मोक्ष या मुक्ति मार्ग बताता है।

⇒ महावीर स्वामी को वह पवित्र व्यक्ति माना जाता है जिसने जैन धर्म को उसका वर्तमान स्वरूप प्रदान किया।

⇒ IInd जैन संगीति भानुगुप्त के शासनकाल में हुई थी।

⇒ महावीर और उनके अनुयायियो (followers) की शिक्षाओं

(Teachings) को उसी रूप में "वल्लभी गुजरात में रखा गया है।

⇒ जैन मठ संस्थानों को "बसादिस' कहा गया है।

⇒ पालीताणा मंदिर (Temple) ⇒ Related to Jain Dharm
जैन धर्म से सम्बंधित

निर्माण (Formation) ⇒ 11th Century (11 वीं शताब्दी में)

जैन संरक्षक कुमारपाल सोलंकी

Located (स्थिति) ⇒ गुजरात (भावनगर) जिला (Distrct)
शत्रुंजय पहाड़ी (Moustain)

पालिताना शहर को मंदिरों का शहर (city of temples) कहा गया है।

rojgar with ankit

मगध साम्राज्य Magadha Empire

New Chapter

मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद रहा
Magadha remained the most powerful Mahajanapada.

↳ मगध से पहले शक्तिशाली काशी था।
Kashi was powerful before Magadha

⇒ "मगध" की वर्तमान स्थिति – पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार एवं पं० बंगाल।
Present status of "Magadha" - Eastern Uttar Pradesh, Bihar and west Bengal.

⇒ "मगध" साम्राज्य" का उत्कर्ष 6 वीं शताब्दी ई० पू० (BC) माना जाता है।
The zenith of the "Magadha" empire is Considered to be in the 6th Century BC.

"मगध" साम्राज्य": (544 BC - 185 BC)
"MAGADH" EMPIRE": (544 BC - 185 BC)

⇒ "मगध" साम्राज्य पर शासन करने वाले वंश——
Dynasty that ruled the "Magadha "kingdom -

- H - हर्यक वंश
  Haryanka dynasty
- S - शिशुनाग वंश
  Shishunag Lineage
- N - नंद वंश
  Nanda dynasty
- M - मौर्य वंश
  Maurya dynasty

"प्राचीन" मगध साम्राज्य के संस्थापक – "बृहद्रथ"
(महाभारत कालीन) Founder of the "ancient" Magadha Empire - "Brihadratha" (Mahapharata period)

↓ पुत्र
जरासंध
Jarasandha

राजधानी: गिरिव्रज
Capital: Girivraj

⇒ मगध साम्राज्य का पहला उल्लेख "अथर्ववेद" से मिलता है।
The first mention of the Magadha Empire Comes from "Atharvveda"

हम → हर्यक वंश
सब → शिशुनाग वंश
नहीं → नंद वंश
मानेगें → मौर्य वंश
साहब → शुंग वंश
को → कण्व वंश
समझे। → सातवाहन वंश

मगध ⇒ संस्थापक ⇒ बृहद्रथ (महाभारत कालीन) ⇒ पुत्र (Son) ⇒ जरासंध

संस्थापक → राजा गिरिव्रज

सबसे पहले उल्लेख → अथर्ववेद

हर्यक वंश (544 BC - 412 BC)

संस्थापक :- बिम्बिसार (544 BC - 492 BC)

Founder : Bimbisara (544 BC - 492 BC)

अन्य नाम : श्रेणिक Other Names : Shrenik

जैन साहित्य

अन्य नाम - क्षेत्रौजश Kshetraojash

मत्स्य पुराण से

भारत के इतिहास का सबसे बड़ा शासनकाल
The biggest reign in the history of India | Imp.

- 52 वर्षों तक up to 52 years